Roll No. ....
Signature of Invigilator ………………………

Paper Code
BD-101

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

<u>Examination December – 2018</u>

B.A. Philosophy (Semester: First)

Philosophy

योगदर्शन

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ

(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. योग दर्शन के अनुसार अष्टांग योग का स्वरूप निरूपित व व्याख्यायित करें।
2. पञ्च क्लेश क्या हैं? प्रत्येक का सप्रमाण व्याख्या करें।
3. महर्षि पतञ्जलि ने चित्त को एकाग्र व निर्मल करने के क्या–क्या उपाय बताये हैं? सप्रमाण बताइये।
4. विभूतिपाद में वर्णित किन्हीं दस सिद्धियों का सप्रमाण वर्णन करें।
5. योग दर्शन का संक्षिप्त परिचय दें व दर्शनों में इसकी महत्ता पर लेख लिखें।

खण्ड–ब

(लघु–उत्तरोय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. योगदर्शन के अनुसार सम्प्रज्ञात समाधि क्या है तथा इसके अन्तर्गत कौन–कौन सी समाधियाँ वर्णित हैं?
2. सबीज व निर्बीज समाधि का अन्तर स्पष्ट करें।
3. क्रियायोग से आप क्या समझते हैं? प्रमाणपूर्वक निरूपित करें।
4. पञ्च महाव्रत कौन–कौन से हैं? प्रत्येक का सप्रमाण संक्षिप्त वर्णन करें।
5. प्रत्याहार क्या है तथा इसका प्रतिफल या परिणाम क्या है?
6. निम्न सूत्र का अर्थ लिखें तथा प्रसंग करें –
   "स्थान्युपनिमन्त्रणे सङ्गस्मयाकरणं पुनरनिष्टप्रसङ्गात्"

खण्ड–स

(अतिलघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में पाँच (05) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए। **(05×01=05)**

1. योग दर्शन में कुल कितने सूत्र ह?
2. योग दर्शन के भाष्यकार का नाम लिखें।
3. योग दर्शन के अनुसार संयम को परिभाषित करें।
4. योग दर्शन के अनुसार योग के कुल कितने अन्तराय हैं?
5. योग दर्शन में ईश्वर का वाचक शब्द क्या है?

---------------x---------------